Class 10 Hindi Sparsh Chapter 6: कर चले हम फ़िदा (Kar Chale Hum Fida) – Notes, प्रश्न-उत्तर और MCQs (2026-27)

ये Kar Chale Hum Fida Class 10 notes (कर चले हम फ़िदा) CBSE कक्षा 10 हिंदी स्पर्श भाग 2 के छठे पाठ को पूरी तरह कवर करते हैं: कैफ़ी आज़मी का परिचय, गीत की पृष्ठभूमि, अंश-वार भाव, प्रतीक, काव्य-सौंदर्य, NCERT प्रश्न-उत्तर, 10 MCQs और मुफ़्त PDF।

नीचे दी गई विषय-सूची से सीधे अपने ज़रूरी भाग पर जाएँ, या पूरे पाठ की तैयारी के लिए शुरू से अंत तक पढ़ें।

विषय-सूची (Table of Contents)

- पाठ परिचय (Chapter Overview)
- मुख्य बिंदु और व्याख्या (Important Points)
- प्रतीक और अर्थ
- पृष्ठभूमि
- काव्य-सौंदर्य
- गीत का अंश-वार सार
- शब्दार्थ (Word Meanings)
- लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Questions)
- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Questions)
- बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs with Answers)
- त्वरित पुनरावृत्ति (Quick Revision)
- सारांश (Summary)
- परीक्षा टिप्स (Exam Tips)
- अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs)
- निष्कर्ष (Conclusion)

सभी पाठों के नोट्स चाहिए? Nextoper पर पूरे Class 10 Hindi notes देखें – क्षितिज, कृतिका, स्पर्श और संचयन, पाठ-वार।

पाठ परिचय (Chapter Overview)

कैफ़ी आज़मी (1919–2002) का जन्म उत्तर प्रदेश के आज़मगढ़ ज़िले के मजवाँ गाँव में हुआ; उनका असली नाम अतहर हुसैन रिज़वी था। वे प्रगतिशील उर्दू शायर और फ़िल्मी गीतकार थे। प्रमुख रचनाएँ: झनकार, आख़िर-ए-शब, आवारा सज्दे, इब्लीस की मजलिस-ए-शूरा। 'आवारा सज्दे' पर उन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला और पद्मश्री से सम्मानित किया गया।

'कर चले हम फ़िदा' गीत 1962 के भारत-चीन युद्ध पर बनी फ़िल्म 'हकीकत' (1964) के लिए लिखा गया था। इसमें युद्धभूमि में प्राण न्योछावर करते सैनिक देशवासियों से कहते हैं कि हमने देश के लिए अपना जीवन दे दिया, अब देश की रक्षा का दायित्व तुम्हारा है।

मुख्य बिंदु और व्याख्या (Important Points)

बलिदान और दायित्व सौंपना

- मरते हुए सैनिक कहते हैं कि हमने अपनी जान और तन देश पर न्योछावर कर दिया।
- अब यह देश तुम्हारे हवाले है, इसकी रक्षा तुम्हें करनी है।
- यही पूरे गीत का मूल भाव है: बलिदान के बाद दायित्व का हस्तांतरण।

अंतिम साँस तक संघर्ष

- सैनिक बताते हैं कि साँसें रुक रही थीं, ठंड से नब्ज़ जम रही थी, फिर भी उनके कदम पीछे नहीं हटे।

- सिर कट गए तो कोई बात नहीं, पर उन्होंने हिमालय (देश के गौरव) का सिर झुकने नहीं दिया।
- अर्थात् उन्होंने प्राण देकर भी देश का मान बचाए रखा।

जवानी और बलिदान का अवसर

- जीवित रहने के अवसर तो बहुत आते हैं, पर देश पर मर मिटने का अवसर बार-बार नहीं आता।
- जो जवानी देश के काम न आए, वह व्यर्थ है।
- धरती को दुल्हन की तरह मानकर उसकी रक्षा का आह्वान किया गया है।

लक्ष्मण रेखा और रावण

- सैनिक कहते हैं कि अपने खून से एक लक्ष्मण रेखा खींच दो (देश की सीमा सुरक्षित करो)।
- उस रेखा के पार कोई रावण (शत्रु) न आ सके।
- यदि कोई हाथ सीता (भारतमाता) के आँचल को छूने आए, तो उसे रोक दो।
- तुम ही राम हो, तुम ही लक्ष्मण – अर्थात् हर देशवासी देश का रक्षक है।

प्रतीक और अर्थ

सबसे महत्वपूर्ण परीक्षा बिंदु।

प्रतीक	अर्थ
हिमालय	देश का मान-सम्मान
धरती (दुल्हन)	मातृभूमि
लक्ष्मण रेखा	देश की सीमा
रावण	शत्रु, आक्रमणकारी
सीता	भारतमाता, देश की अस्मिता
राम-लक्ष्मण	देश के रक्षक (देशवासी)
काफ़िले	बलिदानियों का दल

पृष्ठभूमि

संदर्भ प्रश्नों के लिए।

बिंदु	विवरण
फ़िल्म	हकीकत (1964)
युद्ध	1962 का भारत-चीन युद्ध
गीतकार	कैफ़ी आज़मी
वक्ता	युद्धभूमि में शहीद होते सैनिक
श्रोता	देशवासी (साथियो)

काव्य-सौंदर्य

काव्य-सौंदर्य प्रश्नों के लिए।

पक्ष	विवरण
भाषा	उर्दू मिश्रित हिंदुस्तानी, सरल और प्रवाहपूर्ण

विधा	गीत (गेय)
रस	वीर रस
अलंकार	रूपक, अनुप्रास, मानवीकरण, पौराणिक प्रतीक
शैली	संबोधन शैली
गुण	ओज

गीत का अंश-वार सार

अंश	मुख्य भाव
1	जान-तन न्योछावर; अब देश तुम्हारे हवाले
2	साँस रुकी, नब्ज़ जमी, पर कदम नहीं रुके; हिमालय का सिर न झुका
3	मरने का अवसर दुर्लभ; जवानी का सार्थक उपयोग
4	धरती दुल्हन; बलिदानियों के काफ़िले चलते रहें
5	खून से लक्ष्मण रेखा; रावण न आए; तुम ही राम-लक्ष्मण

शब्दार्थ (Word Meanings)

शब्द	अर्थ
फ़िदा	न्योछावर
जानो-तन	प्राण और शरीर
हवाले	सौंपना
नब्ज़	नाड़ी
सर कटाना	बलिदान देना
रुत	मौसम, अवसर
रुसवा	बदनाम
काफ़िले	यात्रियों का समूह
फ़तह	विजय
जश्न	उत्सव
दुल्हन	वधू (यहाँ धरती)
लक्ष्मण रेखा	मर्यादा, सीमा रेखा
दामन	आँचल
साथियो	देशवासी

लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Questions)

प्रश्न 1. क्या इस गीत की कोई ऐतिहासिक पृष्ठभूमि है?

उत्तर: हाँ, यह गीत 1962 के भारत-चीन युद्ध पर बनी फ़िल्म 'हकीकत' के लिए लिखा गया था। इसमें उस युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की भावनाएँ व्यक्त हैं।

प्रश्न 2. हिमालय का सिर न झुकने देने की बात में हिमालय किस बात का प्रतीक है?

उत्तर: यहाँ हिमालय भारत के मान-सम्मान और गौरव का प्रतीक है। सैनिकों ने प्राण देकर भी देश का सम्मान झुकने नहीं दिया।

प्रश्न 3. इस गीत में धरती को दुल्हन क्यों कहा गया है?

उत्तर: जैसे दुल्हन की रक्षा और सम्मान किया जाता है, वैसे ही धरती (मातृभूमि) की रक्षा करनी चाहिए। सैनिक अपने बलिदान से इस धरती को सजाते हैं, इसलिए उसे दुल्हन कहा गया।

प्रश्न 4. गीत में ऐसी क्या खास बात होती है कि वे जीवन भर याद रहते हैं?

उत्तर: गीतों में लय, संगीत और गहरी भावनाएँ होती हैं, जो सीधे हृदय को छूती हैं। देशभक्ति जैसे भावपूर्ण गीत बार-बार गाए जाने से जीवन भर याद रहते हैं।

प्रश्न 5. कवि ने 'साथियो' संबोधन का प्रयोग किसके लिए किया है?

उत्तर: कवि ने 'साथियो' संबोधन देशवासियों के लिए किया है, जिन्हें शहीद सैनिक देश की रक्षा का दायित्व सौंप रहे हैं।

प्रश्न 6. कवि ने इस कविता में किस काफ़िले को आगे बढ़ाते रहने की बात कही है?

उत्तर: कवि ने बलिदानियों के काफ़िले को आगे बढ़ाते रहने की बात कही है, अर्थात् देश के लिए बलिदान देने वालों का क्रम कभी रुकना नहीं चाहिए।

प्रश्न 7. इस गीत में 'सर पर कफ़न बाँधना' किस ओर संकेत करता है?

उत्तर: यह मरने के लिए तैयार रहने, यानी देश के लिए प्राण न्योछावर करने का संकल्प लेने की ओर संकेत करता है।

प्रश्न 8. खून से लक्ष्मण रेखा खींचने की बात का भाव स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: इसका भाव है कि अपने बलिदान से देश की सीमा पर ऐसी लक्ष्मण रेखा खींच दो, जिसे कोई शत्रु (रावण) पार न कर सके।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Questions)

प्रश्न 1. 'कर चले हम फ़िदा' गीत का मूल भाव स्पष्ट कीजिए।

- शहीद होते सैनिक देश के लिए अपने बलिदान की बात करते हैं।
- वे अंतिम साँस तक लड़े और देश का मान झुकने नहीं दिया।
- वे देशवासियों को देश की रक्षा का दायित्व सौंपते हैं।
- वे बलिदान की परंपरा को आगे बढ़ाने का आह्वान करते हैं।
- गीत देशप्रेम, त्याग और कर्तव्य का संदेश देता है।

प्रश्न 2. गीत में प्रयुक्त पौराणिक प्रतीकों का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

- लक्ष्मण रेखा: देश की सुरक्षित सीमा।
- रावण: देश पर आक्रमण करने वाला शत्रु।
- सीता: भारतमाता और उसकी अस्मिता।
- राम-लक्ष्मण: देश के रक्षक, यानी हर देशवासी।
- इन प्रतीकों से गीत का भाव भारतीय संस्कृति से जुड़कर अधिक प्रभावी बनता है।

प्रश्न 3. आज के युवाओं के लिए इस गीत का क्या संदेश है?

- देश की रक्षा केवल सैनिकों का नहीं, हर नागरिक का कर्तव्य है।
- जवानी का सार्थक उपयोग देश-सेवा में होना चाहिए।
- शहीदों के बलिदान को व्यर्थ नहीं जाने देना चाहिए।
- सीमा की सुरक्षा के साथ आंतरिक एकता भी ज़रूरी है।
- देश के मान-सम्मान को हमेशा ऊँचा रखना चाहिए।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs with Answers)

1. 'कर चले हम फ़िदा' के गीतकार हैं

(क) साहिर लुधियानवी (ख) कैफ़ी आज़मी (ग) गुलज़ार (घ) शैलेंद्र

उत्तर: (ख) कैफ़ी आज़मी

2. यह गीत किस फ़िल्म का है?

(क) हकीकत (ख) बॉर्डर (ग) उपकार (घ) शहीद

उत्तर: (क) हकीकत

3. गीत किस युद्ध पर आधारित है?

(क) 1965 (ख) 1962 भारत-चीन (ग) 1971 (घ) 1999

उत्तर: (ख) 1962 भारत-चीन

4. गीत में हिमालय किसका प्रतीक है?

(क) पर्वत (ख) देश का मान-सम्मान (ग) बर्फ़ (घ) सेना

उत्तर: (ख) देश का मान-सम्मान

5. धरती को किसके समान कहा गया है?

(क) माँ (ख) दुल्हन (ग) बहन (घ) देवी

उत्तर: (ख) दुल्हन

6. 'रावण' किसका प्रतीक है?

(क) राजा (ख) शत्रु (ग) मित्र (घ) सैनिक

उत्तर: (ख) शत्रु

7. 'सीता' किसका प्रतीक है?

(क) नारी (ख) भारतमाता (ग) धरती (घ) नदी

उत्तर: (ख) भारतमाता

8. कैफ़ी आज़मी का असली नाम था

(क) अतहर हुसैन रिज़वी (ख) अब्दुल हई (ग) जावेद (घ) सज्जाद

उत्तर: (क) अतहर हुसैन रिज़वी

9. गीत में प्रमुख रस है

(क) शृंगार (ख) वीर (ग) करुण (घ) हास्य

उत्तर: (ख) वीर

10. 'फ़िदा' का अर्थ है

(क) खुश (ख) न्योछावर (ग) दुखी (घ) विदा

उत्तर: (ख) न्योछावर

त्वरित पुनरावृत्ति (Quick Revision)

- गीतकार: कैफ़ी आज़मी (1919–2002), मजवाँ (आज़मगढ़); असली नाम अतहर हुसैन रिज़वी।
- फ़िल्म हकीकत (1964); 1962 भारत-चीन युद्ध।
- वक्ता: शहीद सैनिक; श्रोता: देशवासी।
- हिमालय = देश का मान; धरती = दुल्हन।
- लक्ष्मण रेखा = सीमा; रावण = शत्रु; सीता = भारतमाता; राम-लक्ष्मण = रक्षक।
- वीर रस, ओज गुण, गेयता।

सारांश (Summary)

'कर चले हम फ़िदा' गीत में युद्धभूमि में शहीद होते सैनिक देशवासियों से कहते हैं कि हमने अपने प्राण देश पर न्योछावर कर दिए, अब देश की रक्षा तुम्हारे हाथ में है। साँसें रुकने और नब्ज़ जमने पर भी उन्होंने कदम पीछे नहीं हटाए और हिमालय का सिर झुकने नहीं दिया।

सैनिक कहते हैं कि देश पर मर मिटने का अवसर दुर्लभ है, धरती दुल्हन है और बलिदानियों का काफ़िला चलता रहना चाहिए। वे अपने खून से लक्ष्मण रेखा खींचने को कहते हैं ताकि कोई रावण पार न कर सके, क्योंकि अब देशवासी ही राम और लक्ष्मण हैं।

परीक्षा टिप्स (Exam Tips)

- प्रतीक तालिका (हिमालय, दुल्हन, लक्ष्मण रेखा, रावण, सीता) अवश्य याद करें।
- ऐतिहासिक पृष्ठभूमि (हकीकत, 1962) वाला प्रश्न आसान अंक देता है।
- गीत के मूल भाव को बिंदुवार लिखें।
- काव्य-सौंदर्य में वीर रस और ओज गुण का उल्लेख करें।
- आधुनिक कविता होने के कारण उद्धरण अपनी पाठ्यपुस्तक से ही लें।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs)

इस पाठ का मुख्य संदेश क्या है?

देश के लिए बलिदान सर्वोच्च है; देश की रक्षा का दायित्व हर नागरिक का है।

क्या यह पाठ 2026-27 सिलेबस में है?

हाँ, यह CBSE हिंदी B की पाठ्यपुस्तक स्पर्श भाग 2 में है।

क्या इन नोट्स का PDF मिलेगा?

हाँ, ऊपर दिए लिंक से बिना साइनअप मुफ़्त PDF डाउनलोड करें।

निष्कर्ष (Conclusion)

कर चले हम फ़िदा देशभक्ति और बलिदान का अमर गीत है। प्रतीक तालिका और अंश-वार सार दोहराकर इस पाठ में पूरे अंक प्राप्त करें।

और नोट्स (More Notes): Class 10 Hindi Sparsh Chapter 5: तोप notes | Class 10 Hindi Sparsh Chapter 7: आत्मत्राण notes | All Class 10 Hindi notes

लेखक परिचय (Author Bio): ये नोट्स Nextoper Editorial Team ने तैयार और जाँचे हैं – CBSE हिंदी शिक्षकों का समूह, जो NCERT पाठ्यपुस्तक और पिछले बोर्ड प्रश्नपत्रों के पैटर्न के आधार पर पाठ-वार नोट्स बनाते हैं।

अद्यतन जानकारी (Freshness Note): ये नोट्स NCERT कक्षा 10 की हिंदी पाठ्यपुस्तक स्पर्श भाग 2 (Reprint 2026-27, CBSE Hindi B) और 2026-27 सत्र के CBSE पाठ्यक्रम पर आधारित हैं। अंतिम जाँच: 10 नवंबर 2026।